बुधवार, 22 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

चेन्नई सुपर किंग्स को झटका, आयुष म्हात्रे पूरे सीजन से बाहर

Page-04

टीवी भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

10 साल के राहिल देशमुख की धमाकेदार एंट्री, 'राजा शिवाजी' में दिखा जलवा

Page-05

टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले में ट्रंप प्रशासन के दौरान लगाए गए कई आयात टैरिफ को असंवैधानिक घोषित कर रद्द कर दिया गया है। इस निर्णय के बाद अब बड़े स्तर पर टैरिफ रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे भारतीय उद्योगों को भी राहत मिलने की संभावना है।रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत से जुड़े निर्यात पर करीब 10 से 12 बिलियन डॉलर तक की राशि वापस मिलने का अनुमान है। यह रकम खासतौर पर उन आयातकों को मिलेगी जिन्होंने उस अवधि में अतिरिक्त शुल्क चुकाया था।ये टैरिफ पिछले साल इमरजेंसी नियमों के तहत लगाए गए थे, जिनका असर भारतीय उत्पादों पर भी पड़ा था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन्हें खारिज किए जाने के बाद अब रिफंड का रास्ता साफ हो गया है।सबसे ज्यादा फायदा टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग गुड्स और केमिकल्स सेक्टर को होने की उम्मीद है। अनुमान के मुताबिक टेक्सटाइल और अपैरल में लगभग 4 बिलियन डॉलर, इंजीनियरिंग गुड्स में 4 बिलियन डॉलर और केमिकल्स में करीब 2 बिलियन डॉलर तक रिफंड मिल सकता है।हालांकि, यह रकम सीधे भारतीय कंपनियों को नहीं मिलेगी। अमेरिकी नियमों के अनुसार, केवल वही आयातक या कस्टम ब्रोकर दावा कर सकते हैं जिन्होंने टैरिफ का भुगतान किया था। ऐसे में भारतीय निर्यातकों को अपने अमेरिकी साझेदारों के साथ समन्वय करना होगा।

हवा में 2 घंटे चक्कर लगाने के बाद डायवर्ट हुआ विमान

हैदराबाद से हुब्बल्ली जा रही एक फ्लाइट में सवार यात्रियों को उस वक्त डरावना अनुभव हुआ, जब खराब मौसम के कारण विमान को गंतव्य पर उतरने की अनुमति नहीं मिली और वह करीब दो घंटे तक हवा में चक्कर लगाता रहा।यह घटना 19 अप्रैल की है। फ्लाइट राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से दोपहर करीब 3:14 बजे रवाना हुई थी और इसे शाम 4:30 बजे तक हुब्बल्ली पहुंचना था। यह रूट हाल ही में 17 अप्रैल को शुरू हुआ था, इसलिए कई यात्री पहली बार इस मार्ग से सफर कर रहे थे।जब विमान हुब्बल्ली के करीब पहुंचा, तो खराब मौसम के चलते उसे लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद विमान करीब 4:15 बजे से 6:15 बजे तक हवा में ही चक्कर लगाता रहा। इस दौरान झटकों और अस्थिरता के कारण यात्रियों में घबराहट फैल गई।

त्रिशूर में भीषण विस्फोट

6 मजदूरों की मौत, 40 से ज्यादा घायल

त्रिशूर पटाखा फैक्ट्री धमाका: तैयारी के दौरान हादसा, कई की जान गई और दर्जनों घायल।

- हादसे के बाद आसमान में घना धुआं छा गया और आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अब तक 6 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।घायलों को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल त्रिशूर समेत आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोडे इलाके में सोमवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में जोरदार विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम 6 मजदूरों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी के दौरान हुआ।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शाम करीब 4 बजे यूनिट में पटाखों के सैंपल तैयार किए जा रहे थे, तभी बड़ी मात्रा में रखे विस्फोटक में आग लग गई और तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। घायलों को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल त्रिशूर समेत आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय यूनिट में करीब 40 मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे।विस्फोट के बाद पुलिस, दमकल और रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि, मौके पर मौजूद बिना फटे विस्फोटकों के कारण अभियान में कठिनाइयां आ रही हैं।प्रशासन ने पूरे इलाके को घेर लिया है और आम लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा के मद्देनजर घटनास्थल से दूर रहें।इस घटना के साथ ही देश में हाल के दिनों में पटाखा फैक्ट्रियों में हो रहे हादसों पर भी चिंता बढ़ गई है। पालघर (महाराष्ट्र) में हाल ही में हुए विस्फोट में 2 लोगों की मौत हुई थी, जबकि विरुधुनगर (तमिलनाडु) की एक फैक्ट्री में हुए बड़े हादसे में 25 लोगों की जान चली गई थी।

जदयू विधायक दल के नेता बने श्रवण कुमार

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पबिहार की राजनीति में अहम बदलाव के तहत नालंदा से विधायक श्रवण कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। उनके नाम पर पहले ही विधानसभा को प्रस्ताव भेजा गया था, जिस पर अब औपचारिक मुहर लग गई है। विधानसभा सचिवालय ने भी इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।यह पद नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद खाली हो गया था। इसके बाद जदयू विधायकों की बैठक में श्रवण कुमार के नाम पर सहमति बनी और पार्टी नेतृत्व ने भी इसे मंजूरी दे दी।नेता चुने जाने के बाद नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जदयू कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और श्रवण कुमार को बधाई दी।श्रवण कुमार का राजनीतिक करियर काफी लंबा और मजबूत रहा है। वे 1995 से लेकर 2025 तक कुल 8 बार विधायक चुने जा चुके हैं, जो उनकी जनाधार और राजनीतिक पकड़ को दर्शाता है। सरकार में भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं।

100% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य

ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर नितिन गडकरी का बड़ा बयान

केंद्रीय मंत्री ने वैकल्पिक ईंधन और जैव-ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर देते हुए सर्कुलर इकोनॉमी अपनाने की बात कही। उनके मुताबिक, इससे जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी आएगी, प्रदूषण घटेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा लक्ष्य तय किया है। नई दिल्ली में आयोजित 'ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव' में उन्होंने कहा कि देश को भविष्य में 100 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल करने की दिशा में काम करना चाहिए।गडकरी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे भारत जैसे आयात पर निर्भर देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 87 प्रतिशत आयात करता है, जिस पर करीब 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि यह आयात न सिर्फ आर्थिक बोझ बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण का भी बड़ा कारण है। गडकरी ने ब्राजील का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां 100 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का सफल उपयोग हो रहा है और भारत को भी इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार लोगों को पेट्रोल-डीजल वाहनों की खरीद से रोक नहीं सकती, लेकिन वैकल्पिक ईंधनों को इतना प्रभावी बनाया जाएगा कि लोग स्वेच्छा से उन्हें अपनाएं।

अमेरिका-ईरान वार्ता को नई उम्मीद

अमेरिका और ईरान ने संकेत दिए हैं कि वे इस्लामाबाद में प्रस्तावित युद्धविराम वार्ता के अगले दौर में हिस्सा ले सकते हैं। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एपी को बताया कि दोनों देशों के बीच बातचीत फिर से पटरी पर लौट सकती है।इससे पहले ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे चरण की शांति वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया था, जिससे मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। यह भी कयास लगाए जा रहे थे कि हालात बिगड़ने पर अमेरिका फिर से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

दिव्यांग यात्रियों के लिए बड़ी राहत

अब UDID कार्ड पर SLRD-LLSRD कोच में सफर की अनुमति

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

भारतीय रेल ने दिव्यांग यात्रियों को लेकर अहम स्पष्टीकरण जारी किया है। अब वैध UDID कार्ड रखने वाले दिव्यांगजन मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के आरक्षित SLRD और LSLRD कोच में यात्रा कर सकेंगे।रेलवे बोर्ड के नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, इन विशेष कोचों में यात्रा के लिए दो श्रेणियों के यात्रियों को अधिकृत माना जाएगा। पहली श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिनके पास UDID (Unique Disability ID) कार्ड है, जिसे दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जारी करता है। दूसरी श्रेणी में वे दिव्यांगजन आते हैं जिन्हें रेलवे द्वारा किराए में रियायत दी जाती है। हालांकि, दोनों ही मामलों में वैध टिकट या अधिकृत यात्रा दस्तावेज होना अनिवार्य है।रेलवे ने यह भी साफ कर दिया है कि दिव्यांगों के लिए आरक्षित कोच में बिना अनुमति यात्रा करने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में रेलवे एक्ट 1989 के तहत दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे।UDID योजना का उद्देश्य देशभर के दिव्यांगजनों का एकीकृत राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करना है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पारदर्शी और आसान तरीके से मिल सके। इसके तहत राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकृत चिकित्सा प्राधिकरणों द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूनिक आईडी कार्ड जारी किए जाते हैं। इसके अलावा, 'दिव्यांगजन कार्ड' या EPICS (ई-टिकटिंग फोटो पहचान पत्र) भी रेलवे द्वारा जारी किया जाता है, जिसके माध्यम से दिव्यांग यात्री किराए में छूट का लाभ ले सकते हैं।

45°C से ज्यादा खतरनाक 35°C!

ह्यूमिडिटी ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2026 में अधिक लू की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों के अनुसार नमी भरी गर्मी ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि पसीना नहीं सूखता और शरीर ठंडा नहीं हो पाता। Penn State Human Environmental Age Thresholds Project के मुताबिक 31°C WBT पर ही शरीर जवाब देने लगता है, जिससे जोखिम बढ़ता है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

2026 की गर्मी ने अभी दस्तक ही दी है, लेकिन खतरे के संकेत साफ दिखने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अप्रैल से जून के बीच पूर्वी, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य से अधिक लू (हीटवेव) के दिनों की चेतावनी जारी की है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार असली चिंता सिर्फ तापमान नहीं, बल्कि हवा में मौजूद नमी यानी ह्यूमिडिटी है, जो गर्मी को और अधिक घातक बना सकती है। आमतौर पर 45 डिग्री सेल्सियस की सूखी गर्मी को खतरनाक माना जाता है, लेकिन वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि 35 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ उच्च नमी का स्तर कहीं अधिक जोखिम भरा हो सकता है। तटीय और आर्द्र क्षेत्रों में यह स्थिति "साइलेंट किलर" के रूप में उभर रही है। इसकी वजह यह है कि जब हवा में नमी अधिक होती है, तो शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी वाष्पित नहीं हो पाता, जिससे शरीर का प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम प्रभावित हो जाता है। इस स्थिति में शरीर का तापमान नियंत्रित नहीं रह पाता, जिससे दिल की धड़कन तेज होना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और गंभीर मामलों में अंगों के काम करना बंद कर देना जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। वैज्ञानिक इस संयुक्त प्रभाव को 'वेट-बल्ब टेम्परेचर' (डब्ल्यूबीटी) के जरिए मापते हैं, जो तापमान और नमी दोनों को ध्यान में रखता है। लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि इंसान 35 डिग्री सेल्सियस तक के डब्ल्यूबीटी को सहन कर सकता है, लेकिन हालिया शोध इस धारणा को चुनौती देते हैं। Penn State Human Environmental Age Thresholds Project (पेन स्टेट ह्यूमन एनवायरनमेंटल एज थ्रेशोल्ड्स प्रोजेक्ट – हीट प्रोजेक्ट) के तहत किए गए अध्ययन में पाया गया कि स्वस्थ और युवा व्यक्ति भी करीब 31 डिग्री सेल्सियस डब्ल्यूबीटी पर ही शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता खोने लगते हैं। शोध के दौरान स्वयंसेवकों को नियंत्रित वातावरण वाले कक्षों में रखकर धीरे-धीरे तापमान और नमी बढ़ाई गई, जहां उन्होंने हल्की शारीरिक गतिविधियां कीं। अध्ययन के अनुसार, 38 डिग्री सेल्सियस तापमान और 60 प्रतिशत नमी का संयोजन ही शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यह सीमा बुजुर्गों, बीमार लोगों और नियमित दवाएं लेने वालों के लिए और भी कम हो जाती है। प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि तापमान और नमी की खतरनाक सीमाओं की सटीक जानकारी हो, तो समय रहते लोगों को सतर्क किया जा सकता है। भारत के तटीय इलाकों में मॉनसून से पहले के महीनों में इस तरह की परिस्थितियां आम होती जा रही हैं। Climate Dynamics (क्लाइमेट डायनामिक्स) में प्रकाशित एक अध्ययन, जिसका नेतृत्व रीडिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता अक्षय देवरास ने किया, बताता है कि पिछले 80 वर्षों के आंकड़ों में भारत में नमी वाली लू की घटनाएं बढ़ती दिख रही हैं। बढ़ते तापमान और बदलते जलवायु पैटर्न के बीच यह साफ है कि आने वाले समय में केवल तापमान नहीं, बल्कि नमी के स्तर पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी होगा। सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियों के लिए यह चुनौती है कि वे समय रहते लोगों को जागरूक करें और बचाव के उपायों को मजबूत बनाएं, ताकि इस "अदृश्य खतरे" से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

सऊदी का यू-टर्न, पाकिस्तान का बड़ा डिफेंस डील ठप!

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया और अफ्रीका में तेजी से बदलते हालात के बीच भारत, पाकिस्तान और सऊदी अरब की रणनीतिक गतिविधियां एक-दूसरे से जुड़ी नजर आ रही हैं। हाल ही में अजित डोभाल के सऊदी अरब दौरे और पाकिस्तान द्वारा सूडान को हथियार आपूर्ति के बड़े समझौते को स्थगित करने से क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव के संकेत मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने सूडान को हथियार और लड़ाकू विमान देने से जुड़े करीब 1.5 अरब डॉलर के समझौते को फिलहाल रोक दिया है। यह फैसला तब लिया गया जब सऊदी अरब ने इस सौदे के वित्त पोषण से हाथ खींच लिया। बताया जा रहा है कि यह समझौता अंतिम चरण में था और इसकी मध्यस्थता भी सऊदी अरब ने ही की थी, लेकिन बाद में उसने अपनी रणनीति बदल दी। सूडान में पिछले तीन वर्षों से सेना और अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' के बीच संघर्ष जारी है, जिसने गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है। लाल सागर के किनारे स्थित और सोने के बड़े उत्पादक देश के रूप में सूडान का सामरिक महत्व काफी बढ़ गया है, जिससे बाहरी शक्तियों की दिलचस्पी भी बढ़ी है। इस घटनाक्रम में संयुक्त अरब अमीरात की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। जहां सऊदी अरब सूडान की सेना के करीब है, वहीं यूएई पर रैपिड सपोर्ट फोर्स को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में सऊदी अरब का इस सौदे से पीछे हटना यह संकेत देता है कि वह क्षेत्रीय संघर्षों से दूरी बनाना चाहता है। इस बीच, अजित डोभाल का सऊदी दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत, जो अपनी बड़ी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है, किसी भी व्यवधान को लेकर सतर्क है।

'मछली बम' और मिसाइल सिटी— ईरान का खतरनाक ट्रेलर जारी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है, जहां ईरान ने संभावित संघर्ष के अगले चरण के लिए अपनी सैन्य तैयारियों के संकेत दिए हैं। हाल ही में जारी एक वीडियो में ईरान ने अपनी उन्नत मिसाइल क्षमता, ड्रोन तकनीक और कथित तौर पर "अंडरवाटर फिश बम" जैसे नए हथियारों का प्रदर्शन किया है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस वीडियो को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के एयरोस्पेस कमांड से जुड़े अधिकारियों द्वारा जारी किया गया बताया जा रहा है। इसमें भूमिगत "मिसाइल सिटी" और बड़ी संख्या में तैनात मिसाइलों व ड्रोन का जखीरा दिखाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रदर्शन केवल सैन्य ताकत दिखाने के लिए नहीं, बल्कि अपने विरोधियों—खासकर अमेरिका और इज़राइल—को स्पष्ट संदेश देने की रणनीति है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने यह भी दावा किया है कि हालिया संघर्षों के बावजूद उसकी सैन्य क्षमता काफी हद तक बरकरार है। अनुमान है कि उसके पास अब भी लगभग 70 प्रतिशत बैलिस्टिक मिसाइलें, 60 प्रतिशत से अधिक मिसाइल लॉन्चर और करीब 40 प्रतिशत ड्रोन क्षमता मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि यदि स्थिति और बिगड़ती है तो ईरान जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिका की ओर से कूटनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर नई शांति वार्ता के लिए दबाव बनाया है, साथ ही बुनियादी ढांचे पर संभावित हमलों की चेतावनी भी दी है। हालांकि, ईरान ने इन शर्तों को अस्वीकार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह बाहरी दबाव में कोई समझौता नहीं करेगा।

बालेंद्र शाह सरकार का सख्त फैसला, आम जनता पर भारी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल सरकार के एक नए फैसले ने भारत-नेपाल सीमा पर रहने वाले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। बालेंद्र शाह के नेतृत्व में लागू की गई सख्त कस्टम ड्यूटी व्यवस्था के तहत अब 100 नेपाली रुपये से अधिक के सामान पर 5 से 80 प्रतिशत तक कर लगाया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य भले राजस्व बढ़ाना और अवैध आयात पर रोक लगाना बताया जा रहा हो, लेकिन इसका असर सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापक रूप से महसूस किया जा रहा है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार से लगे सीमा बाजारों में व्यापार तेजी से घटा है। धारचूला, टनकपुर, सोनौली और रक्सौल जैसे इलाकों में जहां पहले नेपाली ग्राहकों की भारी भीड़ रहती थी, वहां अब सन्नाटा देखा जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बिक्री में भारी गिरावट आई है, जिससे छोटे दुकानदारों, मजदूरों और परिवहन से जुड़े लोगों की आय प्रभावित हुई है। दरअसल, वर्षों से नेपाल के सीमावर्ती जिलों के लोग भारत आकर राशन, दवाइयां, कपड़े और अन्य जरूरी सामान खरीदते रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों का भी हिस्सा रहा है। लेकिन नई व्यवस्था के बाद 100 रुपये की सीमा पार करते ही अतिरिक्त कर का बोझ लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, लोग या तो कम खरीदारी कर रहे हैं या सीमा पार आने से ही बच रहे हैं।

एशिया में बदलते समीकरण, भारत बना रणनीतिक केंद्र

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत की राजधानी दिल्ली इस समय सिर्फ एक राजनयिक दौरे की मेजबानी नहीं कर रही, बल्कि एशिया में बदलते शक्ति संतुलन की एक अहम कहानी भी लिख रही है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मंग के भारत दौरे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासा ध्यान खींचा है। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें पारंपरिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में उच्चस्तरीय बैठक हुई। यह मुलाकात महज औपचारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक पर सबसे ज्यादा नजर उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की है। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच दशकों से चले आ रहे तनाव और परमाणु प्रतिस्पर्धा के चलते यह दौरा प्योंगयांग के लिए एक संभावित खतरे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक महीने में उत्तर कोरिया ने लगातार चार बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किए हैं, जो उसकी बढ़ती सैन्य सक्रियता को दर्शाते हैं। किम जोंग उन को आशंका है कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रक्षा सहयोग, हथियार सौदे या इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नई सुरक्षा रणनीति तैयार हो सकती है, जो भविष्य में उत्तर कोरिया के लिए चुनौती बन सकती है। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच 'स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' की शुरुआत 2010 में हुई थी। आज यह साझेदारी रक्षा, सेमीकंडक्टर, उन्नत तकनीक, बैटरी निर्माण, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सप्लाई चेन और साइबर सुरक्षा जैसे कई अहम क्षेत्रों तक फैल चुकी है।

संपादक की कलम से

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। युवा न केवल देश की ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक होते हैं, बल्कि वे परिवर्तन और नवाचार के वाहक भी होते हैं। आज भारत जैसे विशाल देश में युवा आबादी की संख्या अधिक है, जो इसे "युवा राष्ट्र" के रूप में पहचान दिलाती है। यदि इस शक्ति का सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। आज का युवा तकनीकी रूप से सक्षम, जागरूक और महत्वाकांक्षी है। वह नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार है और अपने कौशल के माध्यम से समाज में बदलाव लाना चाहता है। स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल नवाचार और सामाजिक आंदोलनों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसर पैदा करने वाले भी बन रहे हैं। हालांकि, युवा वर्ग के सामने कई चुनौतियाँ भी हैं। बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता, और सही मार्गदर्शन की कमी उनके विकास में बाधा बन सकती है। कई बार नकारात्मक प्रभावों, जैसे नशे की लत या गलत संगति, के कारण युवा अपनी क्षमता का सही उपयोग नहीं कर पाते। इसलिए यह आवश्यक है कि उन्हें सही दिशा और अवसर प्रदान किए जाएँ। शिक्षा प्रणाली को इस प्रकार विकसित करना होगा कि वह केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित न रहे, बल्कि युवाओं के कौशल, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करे। साथ ही, सरकार को रोजगार के नए अवसर पैदा करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।परिवार और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारी का पाठ सिखाना आवश्यक है, ताकि वे अपने कर्तव्यों को समझ सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। अंततः, यह कहा जा सकता है कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। यदि उन्हें सही शिक्षा, अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो वे न केवल अपने जीवन को सफल बना सकते हैं, बल्कि राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसलिए हमें युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमता को पहचानने की दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए।

बिहार में 24 अप्रैल को फ्लोर टेस्ट

सम्राट चौधरी सरकार की ताकत की परीक्षा

बिहार में सम्राट चौधरी सरकार 24 अप्रैल को फ्लोर टेस्ट देगी, जिसमें बहुमत तय माना जा रहा है। वहीं अमित शाह सीमा सुरक्षा पर बैठक करेंगे। नासा डेटा के अनुसार बिहार-यूपी क्षेत्र तेजी से विकास कर चमकदार बन रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार की राजनीति और प्रशासनिक गतिविधियां इन दिनों तेजी से सुर्खियों में हैं। एक ओर जहां नई सरकार अपनी ताकत साबित करने की तैयारी में है, वहीं सीमा सुरक्षा और विकास को लेकर भी अहम कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी नई एनडीए सरकार 24 अप्रैल को विधानसभा के विशेष सत्र में फ्लोर टेस्ट का सामना करेगी। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए के पास 201 विधायकों का समर्थन है, जबकि विपक्ष के पास केवल 41 विधायक हैं। ऐसे में सरकार के बहुमत साबित करने में किसी बड़ी चुनौती की संभावना नहीं मानी जा रही है। हालांकि, विपक्ष इस मौके का उपयोग सरकार को घेरने के लिए कर सकता है। बांकीपुर सीट फिलहाल खाली है, क्योंकि इसके विधायक नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में राज्यसभा सदस्य बनाया गया है। इसी बीच, भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें सक्रिय हो गई हैं। अमित शाह 2 मई को नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सीमा सुरक्षा, घुसपैठ और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इस बैठक में बिहार सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की संभावना है। राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और डीजीपी विनय कुमार भी बैठक में भाग लेंगे। इस बैठक को सीमा प्रबंधन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।वहीं, विकास के मोर्चे पर भी बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रगति चर्चा में है। नासा द्वारा जारी उपग्रह डेटा के अनुसार, 2014 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश-बिहार क्षेत्र पृथ्वी के सबसे चमकीले इलाकों में शामिल हो गया है। करीब 16 लाख रात्रिकालीन तस्वीरों के विश्लेषण से तैयार नक्शों में इस क्षेत्र में रोशनी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञ इसे तेज विद्युतीकरण, बेहतर बुनियादी ढांचे और उच्च जनसंख्या घनत्व से जोड़ रहे हैंइस पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने दावा किया कि राज्य की बिजली व्यवस्था देश में सबसे बेहतर है। उन्होंने कहा कि नासा के आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि बिहार विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, उपग्रह तस्वीरों में बिहार "हीरे की तरह चमकता" नजर आ रहा है। कुल मिलाकर, बिहार में एक ओर राजनीतिक स्थिरता की परीक्षा होने जा रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों पर सरकार की सक्रियता भी साफ दिखाई दे रही है। आने वाले दिनों में इन सभी घटनाक्रमों का राज्य की राजनीति और प्रशासनिक दिशा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस नेतृत्व पर बवाल—तेज प्रताप यादव ने उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

बिहार की राजनीति से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कांग्रेस नेतृत्व को लेकर बहस तेज होती नजर आ रही है। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को कांग्रेस नेतृत्व पर बड़ा बयान देते हुए प्रियंका गांधी को पार्टी की कमान सौंपने की वकालत की। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जैसी नेतृत्व क्षमता है, जबकि राहुल गांधी के नेतृत्व पर उन्होंने सवाल उठाए। तेज प्रताप यादव ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है और उनके अनुसार यह भूमिका प्रियंका गांधी बेहतर तरीके से निभा सकती हैं। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक शैली पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल यात्राएं और प्रतीकात्मक गतिविधियां पार्टी को आगे नहीं बढ़ा सकतीं।यह बयान ऐसे समय आया है जब राहुल गांधी ने नीतीश कुमार पर "समझौते में फंसे" होने का आरोप लगाया था। बिहार की राजनीति में हालिया बदलाव के तहत सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद सियासी बयानबाजी और तेज हो गई है। कांग्रेस के अंदर भी नेतृत्व को लेकर सवाल उठते रहे हैं। पार्टी के पूर्व नेता शकील अहमद ने हाल ही में आरोप लगाया था कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र की कमी है। उन्होंने कहा कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं की भूमिका सीमित होती जा रही है और निर्णय प्रक्रिया केंद्रीकृत हो गई है। शकील अहमद ने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी अनुभवी नेताओं के साथ सहज महसूस नहीं करते और पार्टी में उनकी बात ही अंतिम मानी जाती है। उन्होंने नेहरू-गांधी परिवार से जुड़े होने के कारण राहुल गांधी पर "श्रेष्ठता की भावना" रखने का भी आरोप लगाया। इन बयानों के बाद कांग्रेस के भीतर और बाहर नेतृत्व को लेकर बहस और तेज हो गई है। ऐसे बयान विपक्षी राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं और आने वाले समय में कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे पर भी इसका असर पड़ सकता है।

महिला आरक्षण पर गरमाई राजनीति,

मल्लिकार्जुन खरगे का केंद्र पर हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह महिला आरक्षण को 2011 की जनगणना के आधार पर होने वाले परिसीमन से जोड़कर "खतरनाक खेल" खेल रही है, जिससे दक्षिण भारतीय राज्यों, खासकर तमिलनाडु, को नुकसान हो सकता है। तमिलनाडु के वेलाचेरी में 21 अप्रैल को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के खारिज होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने से इनकार किया, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। खरगे के मुताबिक, यदि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ा जाता है, तो उन राज्यों को "दंडित" किया जाएगा जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल की है। खरगे ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट रहे और कांग्रेस ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने एम. के. स्टालिन की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने सबसे पहले इस विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई। उनके अनुसार, यह कदम "जनविरोधी और दक्षिण विरोधी" था, जिसके खिलाफ मजबूत प्रतिरोध जरूरी था।कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण का मुद्दा नया नहीं है और स्थानीय निकायों तथा पंचायतों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का श्रेय कांग्रेस को जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को सर्वसम्मति से पारित तो कराया, लेकिन उसे अब तक लागू नहीं किया। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर इस विधेयक को लागू करने में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू को पत्र लिखे, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया को "देश के साथ धोखाधड़ी" बताते हुए कहा कि यदि इसे वर्तमान स्वरूप में लागू किया गया, तो यह संघीय ढांचे और क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करेगा। खरगे के बयान के बाद इस मुद्दे पर सियासी बहस और तेज होने के संकेत हैं, खासकर दक्षिण भारत में, जहां इस विषय को लेकर पहले से ही संवेदनशीलता देखी जा रही है।

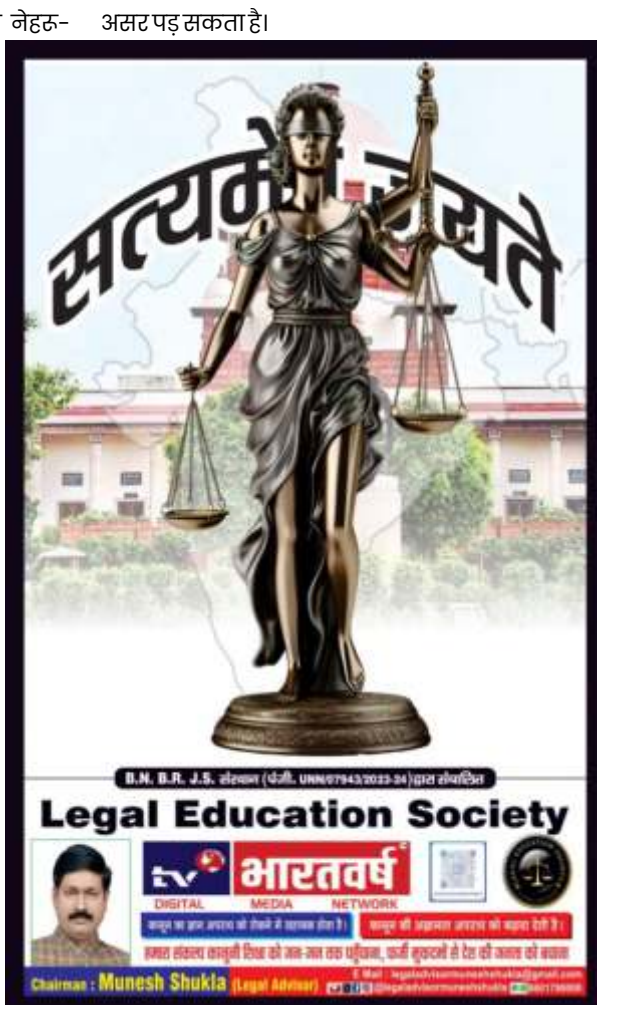

भारतीय रिजर्व बैंक का U-Turn!

सख्ती के बाद बाजार को खुली छूट

भारतीय वित्तीय बाजार से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है, जहां भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए पहले लागू किए गए कुछ कड़े नियमों में अब राहत देने का फैसला किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर निवेशकों और कारोबारियों के बीच चिंता बनी हुई थी। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा कारोबारियों पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की है, जो विशेष रूप से ऑफशोर नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड (NDF) बाजार से जुड़े थे। यह वह बाजार होता है जहां वास्तविक मुद्रा का लेन-देन नहीं होता, बल्कि भविष्य की विनिमय दरों पर सौदे तय किए जाते हैं। इस तरह के सौदे अक्सर मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी को बढ़ाते हैं और विनिमय दरों पर दबाव डालते हैं। दरअसल, मार्च के अंतिम दिनों में आरबीआई ने रुपये में आई तेज गिरावट को थामने के लिए कई सख्त कदम उठाए थे। उस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थीं, जिसका एक बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ा तनाव था। इस भू-राजनीतिक स्थिति का सीधा असर भारतीय रुपये पर पड़ा और यह अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.21 प्रति डॉलर तक गिर गया था। इन परिस्थितियों में आरबीआई ने बैंकों और विदेशी मुद्रा कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी और ऑफशोर बाजार में सट्टेबाजी को सीमित करने के लिए प्रतिबंध लगाए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 10 अप्रैल तक बैंकों ने करीब 40 अरब डॉलर के सट्टेबाजी वाले सौदों को समाप्त कर दिया था। इसके बाद रुपये में कुछ स्थिरता आई और यह अपने निचले स्तर से थोड़ा ऊपर संभलने लगा। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में स्पष्ट किया कि मार्च में उठाए गए सख्त कदम अस्थायी थे और उनका उद्देश्य केवल बाजार में बढ़ती अस्थिरता को नियंत्रित करना था। उन्होंने कहा कि अत्यधिक सट्टेबाजी के कारण मुद्रा बाजार में असंतुलन पैदा हो गया था, जिसे नियंत्रित करना आवश्यक था। केंद्रीय बैंक ने यह भी दोहराया है कि वह भारतीय रुपये को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाने और वित्तीय बाजार को अधिक गहराई देने के लिए प्रतिबद्ध है। अब प्रतिबंधों में ढील देने से बाजार में तरलता बढ़ेगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि आरबीआई को सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि वैश्विक बाजार अब भी अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक स्थितियां रुपये की चाल को प्रभावित कर सकती हैं। कुल मिलाकर, आरबीआई का यह कदम संतुलित रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें एक ओर बाजार को स्थिरता दी गई है और दूसरी ओर कारोबार और निवेश गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि यह फैसला रुपये को कितनी मजबूती प्रदान करता है और भारतीय अर्थव्यवस्था को किस दिशा में ले जाता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ी राहत, जोश इंग्लिस की वापसी तय

आईपीएल 2026 में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ियों में शामिल ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस जल्द ही टीम से जुड़ने वाले हैं, जिससे लखनऊ की बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। 31 वर्षीय इंग्लिस टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में उपलब्ध नहीं थे, क्योंकि उन्होंने अपनी शादी के चलते शुरुआती मुकाबलों से नाम वापस ले लिया था। उनकी शादी 18 अप्रैल को संपन्न हुई और इसके बाद उन्होंने थोड़े समय का ब्रेक लिया। अब खबर है कि वे जल्द ही भारत पहुंचकर टीम के साथ जुड़ेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लिस 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लखनऊ की टीम में शामिल हो जाएंगे। इंग्लिस की वापसी ऐसे समय में हो रही है जब लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार जीत की सख्त जरूरत है। टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए आने वाले मैच बेहद अहम हैं। ऐसे में एक अनुभवी और आक्रामक बल्लेबाज का जुड़ना टीम के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। गौरतलब है कि लखनऊ फ्रेंचाइजी ने जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपये की बड़ी कीमत में अपनी टीम में शामिल किया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग क्षमता को देखते हुए टीम मैनेजमेंट को उनसे काफी उम्मीदें हैं। यदि वे तय समय पर टीम से जुड़ते हैं, तो लीग स्टेज के आखिरी छह मुकाबलों में उनका योगदान निर्णायक हो सकता है।

PSL बैन पर मुजरबानी का पलटवार

"कॉन्ट्रैक्ट ही नहीं, तो उल्लंघन कैसा?"

"विराट की वजह से क्रिकेट देखने लगा"

नोवाक जोकोविच का बड़ा खुलासा

टेनिस जगत के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली को लेकर खास बयान दिया है। एक इंटरव्यू में जोकोविच ने खुलासा किया कि कोहली ही वह वजह हैं, जिनकी प्रेरणा से उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से फॉलो करना शुरू किया। जोकोविच ने कहा कि वह पहले भी क्रिकेट से परिचित थे, लेकिन विराट कोहली की वजह से उनकी इस खेल में रुचि और बढ़ी। उन्होंने कोहली को अपना "दोस्त" बताते हुए कहा कि वह उनका सम्मान करते हैं और उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हैं। जोकोविच के मुताबिक, दोनों खिलाड़ी संपर्क में रहते हैं और खेल के प्रति एक-दूसरे के जुनून को समझते हैं। इस बातचीत के दौरान जोकोविच ने भारत के प्रति अपने लगाव का भी जिक्र किया। उन्होंने खुद को भारत का बड़ा प्रशंसक बताया और कहा कि वह लंबे समय से यहां आने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब वह भारत आएंगे, तो विराट कोहली के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि दोनों साथ में टेनिस और क्रिकेट खेलेंगे, मस्ती करेंगे और खेल के जरिए सकारात्मक माहौल बनाएंगे। जोकोविच का यह बयान खेल जगत में खासा चर्चा का विषय बन गया है। टेनिस और क्रिकेट जैसे दो अलग-अलग खेलों के सुपरस्टार्स के बीच यह दोस्ती खेलों की सीमाओं से परे आपसी सम्मान और जुड़ाव को दर्शाती है।

टी20 वर्ल्ड कप में फिक्सिंग का साया!

कनाडा मैच पर बड़ा खुलासा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से जुड़ी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए मुकाबले को लेकर मैच फिक्सिंग के आरोप सामने आए हैं, जिनमें कथित तौर पर आपराधिक नेटवर्क की भूमिका की भी जांच की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का नाम इस मामले में सामने आया है। आरोप है कि उनका संबंध जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है और जांच जारी है। कनाडा के सार्वजनिक प्रसारक की रिपोर्ट में एक सनसनीखेज घटना का जिक्र किया गया है। बताया गया कि जुलाई 2025 में ब्रिटिश कोलंबिया के एक रेस्टोरेंट में कुछ क्रिकेटर डिनर कर रहे थे, तभी कथित तौर पर बिश्नोई गैंग से जुड़े लोग वहां पहुंचे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्होंने कनाडा के एक खिलाड़ी को धमकी दी कि यदि दिलप्रीत बाजवा और एक अन्य खिलाड़ी को टीम में आगे बढ़ाने में मदद नहीं की गई, तो उनके और उनके परिवार के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई पाई जाती है, तो यह खेल की पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए बड़ा झटका होगा। साथ ही, यह भी स्पष्ट करता है कि आपराधिक तत्व खेलों में दखल देने की कोशिश कर सकते हैं। फिलहाल संबंधित क्रिकेट बोर्ड और जांच एजेंसियां मामले की पड़ताल में जुटी हुई हैं। यह देखना अहम होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और क्या किसी खिलाड़ी या अन्य व्यक्ति की भूमिका साबित होती है।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका, आयुष म्हात्रे पूरे सीजन से बाहर

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से ही खराब फॉर्म से जूझ रही टीम को अब एक और बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय म्हात्रे के बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। मेडिकल जांच के बाद यह साफ हुआ कि उन्हें पूरी तरह ठीक होने में 6 से 8 हफ्तों का समय लगेगा, जिसके चलते वह आईपीएल 2026 के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। यह खबर चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इसलिए भी चिंता बढ़ाने वाली है, क्योंकि टीम पहले ही खराब प्रदर्शन से गुजर रही है। अब तक खेले गए 6 मुकाबलों में टीम को केवल 2 में जीत मिली है, जबकि 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए टीम को जल्द वापसी करनी होगी।आयुष म्हात्रे इस सीजन में टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरे थे। उन्होंने 6 मैचों की 6 पारियों में 33.50 की औसत और 177.87 के शानदार स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक भी निकले, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 73 रन रहा। मौजूदा सीजन में वह चेन्नई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। टीम पहले ही अनुभवी खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर जूझ रही थी और अब युवा बल्लेबाज के बाहर होने से बल्लेबाजी क्रम और कमजोर पड़ सकता है। कप्तान और टीम मैनेजमेंट के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती संतुलन बनाने और नए विकल्प तलाशने की होगी। आईपीएल जैसे लंबे और प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में चोटें टीम के प्रदर्शन पर बड़ा असर डालती हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई सुपर किंग्स इस झटके से कैसे उबरती है और आने वाले मुकाबलों में किस रणनीति के साथ मैदान पर उतरती है।

14 साल में तीन गुना बढ़ी मुस्लिम आबादी

जापान में 'दक्षिणपंथ' की नई लहर!

जापान में इन दिनों मुस्लिम विरोधी लहर देखने को मिल रही है. पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मौकों पर वहां की स्थानीय जनभावना में बढ़ती मुस्लिम आबादी के प्रति विरोध का भाव दिखा है. इसकी झलक वहां की चुनी सरकार में भी नजर आई है.

- **जापान में मस्जिद निर्माण और हलाल भोजन पर रार**
- **देश में पहले 4 मस्जिद थीं, अब हैं करीब 150!**

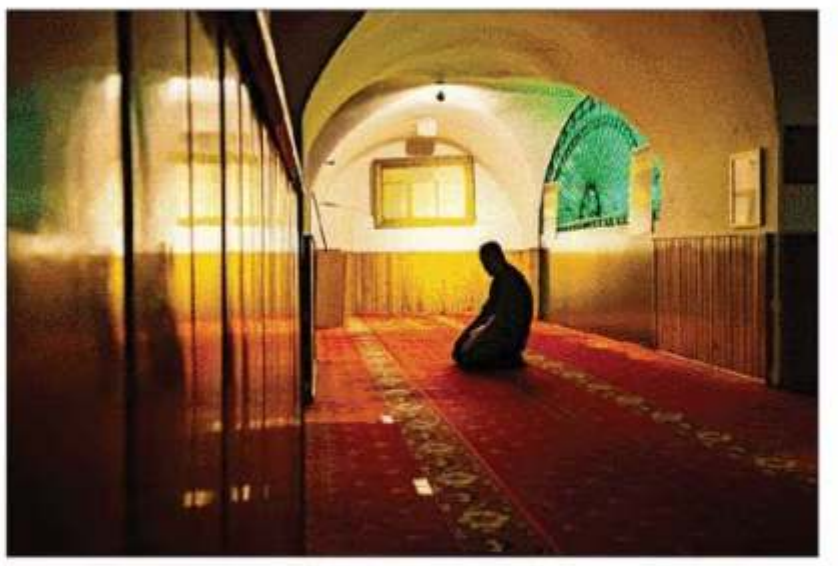

जापान में बढ़ रही हैं मुस्लिम विरोधी जनभावनाएं (Photo - Pexels)

जापान में आम चुनाव के दौरान काफी मुस्लिम विरोधी मुद्दे उठे. जगह-जगह मस्जिद निर्माण और कब्रिस्तानों के लिए प्रस्तावित जगह का विरोध हुआ.

इन दिनों जापान में हर जगह मुस्लिम विरोधी लहर देखने को मिल रही है.

वहां की नई सरकार भी इससे अछूती नहीं है. क्योंकि, उनकी नीतियां में कहीं न कहीं प्रवासियों और विदेशी आबादी के प्रति सख्ती दिखाई दे रही है. ऐसे में यह समझना जरूरी है कि आखिर वहां ऐसा क्या बदलाव हो रहा है कि इस छोटे से देश में भी मुस्लिम विरोधी भागवनाएं बढ़ती जा रही हैं.

टोक्यो के पास योकोहामा में चुनाव के दौरान वहां प्रस्तावित मस्जिद को एक प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश की गई. साथ ही उन स्थानीय लोगों की भी जापानी आलोचना करते दिखे, जो कह रहे हैं कि मस्जिद का विरोध विदेशियों के प्रति नफरत को बढ़ावा दे रही है. ⊙

विदेशियों को लेकर सख्त हैं नई प्रधानमंत्री

वह आव्रजन और विदेशियों पर सख्त नीतियों के लिए भी जोर दे रही हैं. यह बढ़ती हुई धुर दक्षिणपंथी आबादी के साथ मेल खाता है, जिसने एंटी ग्लोबलिस्ट पार्टी सैनसेइटो के बढ़ते प्रभाव का समर्थन किया है, जो कहती है कि जापान की घटती आबादी के सोल्यूशन के रूप में विदेशी श्रम को बढ़ावा देने वाली एलडीपी की नीति जापानी समुदायों को असुरक्षित बना रही है और सांस्कृतिक टकराव पैदा कर रही है. ⊙

रोल्स-रॉयस में 'चाय' बेचने का तरीका वायरल

कभी कोई अजीबोगरीब स्टंट, तो कभी कोई अलग तरह का बिजनेस आइडिया लोगों का ध्यान खींच लेता है. इसी कड़ी में अब एक नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति ने लग्जरी रोल्स-रॉयस में शाही चाय बेचने का अनोखा एक्सपेरिमेंट किया. यह आइडिया जितना अलग है, उतना ही लोगों के बीच चर्चा का विषय भी बन गया है. इस एक्सपेरिमेंट का वीडियो इंस्टाग्राम पर @delux-ebhaiyaji नाम के यूजर ने शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया. ⊙

ऑस्ट्रेलिया में एक दिन की कमाई 40 हजार

विदेश में मिलता है मेहनत का सही मोल?

आजकल सोशल मीडिया पर विदेश में काम करने और वहां की कमाई को लेकर कई वीडियो वायरल होते रहते हैं.

इन्हीं में से एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक भारतीय व्यक्ति ने अपनी कमाई के बारे में खुलकर बात की है.

इस वीडियो के सामने आने के बाद लोगों के बीच विदेश में काम करने को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है. इस वीडियो में रविंद्र नाम के एक व्यक्ति ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है. ⊙

कोलकाता के शख्स ने लता के गाने पर दी ऐसी परफॉर्मेंस, रो पड़ा सोशल मीडिया

जुबां खामोश, पर बोल उठीं आंखें

आज के समय में सोशल मीडिया पर हर दिन हजारों वीडियो वायरल होते हैं, लेकिन कुछ वीडियो ऐसे होते हैं जो सीधे दिल को छू जाते हैं ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें कोलकाता के रहने वाले एक व्यक्ति ने बिना ज्यादा बोले, सिर्फ अपनी आंखों के जरिए गहरी भावनाएं व्यक्त कर दीं. इस वायरल वीडियो में कोलकाता के बिभु नाम के एक शख्स ने मशहूर पुराने गीत हम तेरे प्यार में सारा आलम पर लिप-सिंक किया है.

यह गीत अपनी भावनाओं और गहराई के लिए पहले से ही लोगों के दिलों में खास जगह रखता है. इस गाने को महान गायिका लता मंगेशकर ने अपनी आवाज से अमर बना दिया था. इस वीडियो में बिभु ने जिस अंदाज में इसे प्रस्तुत किया, उसने लोगों को हैरान कर दिया.

वह कैमरे के सामने शांत बैठकर बिना किसी बड़े एक्सप्रेशन या ओवर एक्टिंग के केवल अपनी आंखों और हल्की-फुल्के एक्सप्रेशन के जरिए गाने की हर लाइन को महसूस कराते हैं. बताया जा रहा है कि यह गाना एक कवर वर्जन है, जिसे एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था. बिभु ने इसी कवर पर लिप-सिंक करते हुए इस गाने को गाया है. उनकी आंखों में नमी, चेहरे की सादगी और भावनाओं की गहराई इतनी साफ दिखाई देती है कि देखने वाला खुद भावुक हो जाता है. यह गाना साल 1963 की फिल्म दिल एक मंदिर का है. ⊙

10 साल के राहिल देशमुख की धमाकेदार एंट्री, 'राजा शिवाजी' में दिखा जलवा

मराठी सिनेमा और बॉलीवुड में एक नई स्टार किड की एंट्री होने जा रही है, और इस बार चर्चा में हैं रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख के बेटे राहिल देशमुख। 20 अप्रैल को रिलीज हुए ऐतिहासिक ड्रामा राजा शिवाजी के ट्रेलर ने जहां अपनी भव्यता से दर्शकों को प्रभावित किया, वहीं राहिल की झलक ने इसे और खास बना दिया है। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत एक भावनात्मक और दमदार दृश्य से होती है, जिसमें 10 वर्षीय राहिल देशमुख युवा छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में नजर आते हैं। इस सीन में वह "स्वराज" के विचार को व्यक्त करते दिखाई देते हैं। यह दृश्य धीरे-धीरे बड़े शिवाजी के रूप में ट्रांजिशन करता है, जिसे खुद रितेश देशमुख निभा रहे हैं। इस तरह पिता-पुत्र की यह जोड़ी एक ही किरदार के दो अलग-अलग चरणों को जीवंत करती दिखेगी। फिल्म की टैगलाइन—"उस धरती के लिए जिसने योद्धाओं को गढ़ा... उस विश्वास के लिए जो कभी नहीं डिगा..."—पहले ही दर्शकों में उत्साह जगा चुकी है। 'राजा शिवाजी' को छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनके स्वराज के सपने को श्रद्धांजलि के रूप में पेश किया जा रहा है। स्टार कास्ट की बात करें तो यह फिल्म एक मल्टीस्टारर प्रोजेक्ट है। रितेश देशमुख के साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। इसके अलावा महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। वहीं जेनेलिया देशमुख भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियोज़ के सहयोग से किया गया है, जबकि प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ज्योति देशमुख और जेनेलिया देशमुख ने 'मुंबई फिल्म कंपनी' के बैनर तले संभाली है। फिल्म का संगीत मशहूर जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है, जो पहले भी ऐतिहासिक और भव्य फिल्मों में अपने संगीत से जान डाल चुके हैं।'राजा शिवाजी' 1 मई को मराठी, हिंदी और तेलुगू भाषाओं में दुनियाभर के

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात यह है कि इसकी रिलीज महाराष्ट्र दिवस के मौके पर हो रही है, जो इस फिल्म के विषय और भावना के साथ गहराई से जुड़ती है। कुल मिलाकर, 'राजा शिवाजी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इतिहास, भावनाओं और नई पीढ़ी के टैलेंट का संगम बनकर सामने आ रही है—जहां राहिल देशमुख की शुरुआत पर सबकी नजरें टिकी हैं।

‘जन आक्रोश महिला पदयात्रा’ में उमड़ा सैलाब, 15 हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल

लखनऊ में महिला आरक्षण को लेकर बड़ा राजनीतिक अभियान शुरू हुआ, जिसकी अगुवाई योगी आदित्यनाथ ने की। ‘जन आक्रोश महिला पदयात्रा’ में 15 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। सरकार इसे महिला सशक्तीकरण और विपक्ष के खिलाफ जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रही है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजनीति में महिला आरक्षण के मुद्दे पर बड़ा सियासी बदलाव देखने को मिल रहा है। ‘आधी आबादी’ के अधिकार को केंद्र में रखते हुए राज्य सरकार और सत्ताधारी संगठन ने इसे एक बड़े जनअभियान का रूप देने की शुरुआत कर दी है। इस पूरे अभियान की कमान खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभाल रखी है, जिससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि महिला सशक्तीकरण अब सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। राजधानी लखनऊ में ‘जन आक्रोश महिला पदयात्रा’ का भव्य आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री आवास से हुई और यह यात्रा विधानसभा तक पहुंची। करीब दो किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में लगभग 15 हजार महिलाओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी पैदल इस यात्रा में शामिल हुए। भीषण गर्मी के बावजूद महिलाओं का उत्साह और भागीदारी देखते ही बनती थी, जिससे यह कार्यक्रम एक बड़े जनसंपर्क अभियान में बदल गया। सरकार और संगठन ने स्पष्ट किया है कि महिला आरक्षण को ‘आधी आबादी का अधिकार’ बताकर इसे व्यापक स्तर पर जनता के बीच ले जाया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक, मंडल और जिला स्तर तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय महिला इकाइयों को जोड़कर इस अभियान को एक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा, ताकि ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर विपक्षी दलों पर तीखा हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि जिन दलों ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विरोध या अनदेखी की है, वे वास्तव में महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय को अब केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे जनसभाओं, रैलियों और घर-घर संपर्क अभियानों के जरिए जनता के बीच ले जाया जाएगा। सीएम योगी ने यह भी दोहराया कि सरकार की प्राथमिकताओं में चार प्रमुख वर्ग—महिलाएं, गरीब, युवा और किसान शामिल हैं, और इनके सशक्तीकरण के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण केवल नारा नहीं, बल्कि सरकार की ठोस नीति का हिस्सा है। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह अभियान केवल लखनऊ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बूथ, ब्लॉक, मंडल और जिला स्तर तक इसे विस्तार दिया जाएगा। इसका उद्देश्य महिला मतदाताओं को संगठित करना और उनके मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे के केंद्र में लाना है।कार्यक्रम में शामिल 15 हजार से अधिक महिलाओं ने महिला सम्मान और अधिकारों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। जगह-जगह पेयजल, स्वास्थ्य सहायता और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। इस पूरे आयोजन ने राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर महिला आरक्षण को लेकर बहस को और तेज कर दिया है।

लखनऊ के गोमतीनगर में सड़क हादसा, बाइक सवार युवक घायल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा आर्यन रेस्टोरेंट के सामने हुआ। जहां गलत दिशा में खड़ी फॉर्च्यूनर कार के ड्राइवर ने अचानक दरवाजा खोल दिया। जिससे बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो गया। पत्रकारपुरम गोमतीनगर निवासी मनीष यादव ने बताया कि वह अपनी बाइक से विवेक खंड स्थित ऑफिस जा रहे थे। इस दौरान सड़क के गलत दिशा में खड़ी फॉर्च्यूनर (UP91Y5551) के चालक ने अचानक दरवाजा खोल दिया। जिससे उनकी बाइक दरवाजे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मनीष यादव गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गए। इस दौरान फॉर्च्यूनर सवार घायल को वहीं छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की मदद से मनीष को पास में मौजूद उनके एक परिचित की गाड़ी से डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया। होश आने पर डॉक्टरों ने बताया कि उनके दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई हैं और दो हड्डियां टूट गई हैं। शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें पाई गई हैं। जिसके बाद मनीष ने शिकायत दर्ज कराई। मामले में इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र तिवारी का कहना है पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में फर्जी डॉक्टर का भंडाफोड़, धर्मांतरण साजिश का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में फर्जी डॉक्टर बनकर मेडिकल कैंप आयोजित करने और कथित तौर पर धर्मांतरण की साजिश रचने का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया है। आरोपी की पहचान हसन अहमद के रूप में हुई है। आरोप है कि हसन अहमद खुद को डॉक्टर बताकर KGMU परिसर और आसपास मेडिकल कैंप आयोजित करता था। इन कैंपों के जरिए वह मेडिकल छात्र-छात्राओं, खासकर फीमेल मेडिकोज को प्रभावित करने की कोशिश करता था। बताया गया है कि एक ऐसे ही कैंप में विश्वविद्यालय के करीब 20 मेडिकल छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी ने छात्राओं को AIIMS दिल्ली में एक अमेरिकी डॉक्टर से मुलाकात और विदेश में अवसर दिलाने का लालच दिया था। आरोप यह भी है कि वह विशेष रूप से हिंदू मेडिकल छात्राओं को टारगेट कर उन्हें बहलाने-फुसलाने और अपने प्रभाव में लेने की कोशिश कर रहा था।सूत्रों के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर छात्रों से संपर्क बनाता था और धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेने की कोशिश करता था। पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि हसन अहमद वास्तव में सिर्फ इंटरमीडिएट पास है, लेकिन वह खुद को मेडिकल प्रोफेशनल बताकर लोगों को गुमराह कर रहा था। KGMU प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को पुलिस के

हवाले कर दिया। प्रशासन का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की फर्जी गतिविधि या बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।पुलिस को आशंका है कि आरोपी किसी बड़े धर्मांतरण गिरोह से जुड़ा हो सकता है। इसी कारण पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी के साथ और कौन लोग जुड़े हैं और अब तक उसने कितने छात्रों या छात्राओं को प्रभावित किया है।फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट पर हैं। इस घटना ने विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और साइबर माध्यम से होने वाली गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज हवाओं से बढ़ी आग, ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र स्थित मलहा गांव में मंगलवार को जंगल में लगी आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया और तेज हवाओं के कारण देखते ही देखते गांव तक फैल गई। आग की लपटें इतनी तेजी से बढ़ीं कि ग्रामीणों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गांव के किनारे से शुरू हुई आग जल्द ही कई मकानों तक पहुंच गई, जिससे भारी नुकसान हुआ।आग बढ़ने पर ग्रामीणों ने अपने घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाना शुरू किया। कई लोगों ने बाल्टियों, पाइप और अन्य साधनों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के आगे उनके प्रयास नाकाम रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि दमकल की गाड़ियां करीब एक घंटे की देरी से पहुंचीं, जिससे आग और अधिक फैल गई। इस भीषण आग में चंदर

रावत की 15 बकरियां जलकर मर गईं, जबकि महादेव, महावीर और मुनेश्वर की एक-एक भैंस जिंदा जल गई। इसके अलावा महावीर का 22 वर्षीय बेटा मोहित आग बुझाने के प्रयास में झुलस गया, जिसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। आग ने राम विलास की पान-मसाले की गुमटी को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें रखा लगभग डेढ़ लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और नुकसान का माहौल है। फिलहाल प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया है और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में खड़ी बस में भीषण आग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक बस में आग लग गई। बस धू-धूकर जलने लगी। लोगों ने बस मालिक को फोन कर बुलाया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड मौके पर समय से पहुंचकर बुझानी शुरू की, लेकिन आग तब बुझी जब तक कि पूरी तरह से जल नहीं गई। घटना इग्नू विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर के पीछे की है। यहां खाली मैदान में 41 सीटर ट्रैवल बस खड़ी थी। उसमें अचानक आग लग गई। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। बस संख्या UP 32 TT 1006 में अचानक आग लगी और कुछ ही मिनटों में वह धू-धू कर जलने लगी। बस के मालिक संजय कुमार यादव ने बताया- मुझे स्थानीय लोगों ने बस में आग लगने की सूचना दी। मैंने फायर ब्रिगेड को फोन करते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर लोगों के साथ आग बुझानी शुरू की। बस इग्नू के पीछे मैदान में खड़ी थी। इग्नू का रीजनल सेंटर वृंदावन योजना के सेक्टर-5 स्थित है। बस मालिक तेलीबाग के गांधीनगर के रहने वाले हैं। संजय ने बताया कि बस 41 सीटों वाली थी और घटना के समय पूरी तरह खाली खड़ी थी। इसी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया और कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। हालांकि, आग लगने से बस पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

लखनऊ में ‘जनाक्रोश महिला पदयात्रा’ से ट्रैफिक सिस्टम ध्वस्त, शहर में भीषण जाम

लखनऊ में मंगलवार को आयोजित ‘जनाक्रोश महिला पदयात्रा’ के चलते ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। प्रशासन द्वारा तैयार किया गया रूट डायवर्जन प्लान पूरी तरह फेल साबित हुआ, जिससे शहर के कई प्रमुख इलाकों में भीषण जाम लग गया।हजरतगंज में सबसे ज्यादा स्थिति खराब रही, जहां अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहन एक साथ पहुंच गए और सड़कों पर लंबी कतारें लग गईं। इसके अलावा हुसैनगंज, कैसरबाग, गोमतीनगर का 1090 चौराहा, निशातगंज और ग्रीन कॉरिडोर की ओर से हजरतगंज आने वाली सभी प्रमुख सड़कें जाम से प्रभावित रहीं। पूरे शहर की यातायात व्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा।जाम के कारण वाहन रेंगते नजर आए और आम लोगों को घंटों तक सड़क पर फंसे रहना पड़ा। पदयात्रा से लौट रहीं महिलाएं भी तेज धूप और भीड़भाड़ के बीच परेशान होती दिखीं। कई स्थानों पर यातायात पुलिस को स्थिति संभालने में भारी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन भीड़ अधिक होने के कारण हालात लंबे समय तक सामान्य नहीं हो सके। इसी बीच राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई। समाजवादी पार्टी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पूरे मामले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा अपनी राजनीतिक हताशा का बदला आम जनता से ले रही है। अखिलेश यादव ने लिखा कि आम लोगों को धूप, गर्मी, प्यास और जाम की परेशानी झेलनी पड़ रही है, जबकि यह स्पष्ट नहीं है कि पदयात्रा में शामिल महिलाओं को उसके उद्देश्य की पूरी जानकारी थी या नहीं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह आम जनता का इस्तेमाल अपने राजनीतिक प्रदर्शन के लिए कर रही है। उन्होंने आगे

कहा कि भाजपा सड़कों पर उतरकर जो प्रदर्शन कर रही है, वह भविष्य में विपक्ष में रहने की तैयारी जैसा है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि जनता आने वाले समय में भाजपा को करारा जवाब देगी।इस पूरे घटनाक्रम ने लखनऊ की ट्रैफिक व्यवस्था और राजनीतिक माहौल दोनों को गर्मा दिया है।

सिकंदरपुर सरोसी में करोड़ों से बने खेल मैदान बदहाल

उद्घाटन के बाद रखरखाव न होने से मैदानों की हालत खराब

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक में मनरेगा और राज्य वित्त योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए खेल मैदानों और पार्कों की स्थिति इन दिनों गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। निर्माण के समय जिन परियोजनाओं को ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, वे आज रखरखाव के अभाव में बदहाल नजर आ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनरेगा योजना के अंतर्गत बनाए गए चार खेल मैदानों का उद्घाटन तो कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद उनकी नियमित देखरेख के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। परिणामस्वरूप, इन मैदानों में घास और झाड़ियां उग आई हैं, खेल उपकरण खराब हो चुके हैं और कई स्थानों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ऐसे हालात में स्थानीय खिलाड़ी और युवा इन मैदानों का उपयोग करने से वंचित हो रहे हैं, जिससे उनमें निराशा का माहौल है।वहीं, राज्य वित्त योजना के तहत निर्मित एक खेल मैदान पूरी तरह तैयार होने के बावजूद बीते एक वर्ष से उद्घाटन की प्रतीक्षा कर रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, तब भी मैदान का उपयोग न हो पाना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। उनका मानना है कि यदि समय पर इन परियोजनाओं का संचालन और रखरखाव सुनिश्चित किया जाता, तो क्षेत्र के युवाओं को खेल के लिए बेहतर अवसर मिल सकते थे।ग्रामीणों के अनुसार, इन खेल मैदानों का निर्माण तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी के कार्यकाल में बड़े स्तर पर शुरू किया गया था। उस समय इन परियोजनाओं को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद कई कार्य अधूरे रह गए या फिर उनका उद्घाटन नहीं हो सका। इससे सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए ब्लॉक के प्रभारी खंड विकास अधिकारी देव कुमार चतुर्वेदी ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित पड़े पार्क और खेल मैदानों का शीघ्र उद्घाटन कराया जाए। साथ ही, पहले से निर्मित मैदानों की स्थिति सुधारने और उनके नियमित रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए गए हैं।स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही इन खेल मैदानों को पुनः उपयोग योग्य बनाया जाएगा। उनका कहना है कि केवल उद्घाटन कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन परिसंपत्तियों के नियमित रखरखाव और सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि समय रहते उचित कदम उठाए गए, तो ये खेल मैदान न केवल क्षेत्र के युवाओं के लिए अभ्यास का केंद्र बन सकते हैं, बल्कि ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। फिलहाल, सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

उन्नाव में सड़क किनारे मिला महिला का शव, इलाके में सनसनी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के सफीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक अज्ञात महिला का शव मिला। सफीपुर-मियागंज रोड पर ग्राम निहालखेड़ा के बाहर खेत के पास सड़क किनारे शव पड़ा होने की सूचना डायल 112 पर सुबह करीब 11:30 बजे मिली थी। सूचना मिलते ही सफीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में महिला की पहचान फूलदुलारी (55 वर्ष) पत्नी कमलेश लोध, निवासी मोहल्ला सराय मुबारक अली, थाना सफीपुर, जनपद उन्नाव के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस के अनुसार, शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं पाए गए हैं। इससे प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है, हालांकि किसी प्रकार की हिंसा की पुष्टि नहीं हो सकी है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास के क्षेत्र में लोगों से जानकारी ली। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि महिला वहां कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है।

उन्नाव गंगा पुल पर तेज़ी से चल रहा काम, स्लीपर बदले जा रहे

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज स्थित रेलवे गंगा पुल पर ट्रैक सुधार का काम तेज़ी से जारी है। नॉर्दर्न रेलवे के तहत चल रहे इस महत्वपूर्ण अभियान में पुराने और जर्जर स्लीपरों को हटाकर नए और मजबूत स्लीपर लगाए जा रहे हैं। मंगलवार को रेलवे कर्मचारियों ने तय समय से पहले पहुंचकर ब्लॉक मिलने का इंतजार किया और जैसे ही ब्लॉक मिला, तकनीकी टीमों ने युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया, जो देर शाम तक जारी रहा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस कार्य का मुख्य उद्देश्य ट्रैक की सुरक्षा को मजबूत करना और ट्रेनों की गति बढ़ाना है। स्लीपर बदलने के बाद दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर ट्रेनों की रफ्तार 120 से 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक बढ़ाई जा सकेगी। इससे यात्रियों को न केवल सुरक्षित यात्रा मिलेगी, बल्कि समय की भी बचत होगी। इस परियोजना का निरीक्षण करने के लिए वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के जल्द ही मौके पर पहुंचने की संभावना है। स्थानीय प्रशासन भी पूरी सतर्कता के साथ कार्य की निगरानी कर रहा है, ताकि गुणवत्ता और समयसीमा दोनों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। रेलवे का कहना है कि यह काम चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है, जिसके तहत मेगा ब्लॉक लेकर डाउन लाइन पर स्लीपर बदलने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। हालांकि, इस मरम्मत कार्य का असर ट्रेन संचालन पर भी पड़ा है। कई पैसेंजर ट्रेनों और कुछ सुपरफास्ट गाड़ियों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह अस्थायी परेशानी भविष्य में बेहतर और सुरक्षित यात्रा के लिए जरूरी है। रेलवे विभाग ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी जरूर प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। कुल मिलाकर, यह परियोजना क्षेत्र में रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

साक्षी महाराज का विपक्ष पर हमला, अखिलेश को दी नसीहत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने मंगलवार को अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अपने पिता मुलायम सिंह यादव से सीख लेनी चाहिए। साक्षी महाराज ने कहा कि मुलायम सिंह यादव एक जमीनी नेता थे और उन्होंने हमेशा व्यावहारिक राजनीति की। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय सार्वजनिक मंच पर मुलायम सिंह यादव ने अखिलेश यादव का हाथ नरेंद्र मोदी के हाथ में देकर आशीर्वाद दिया था। सांसद के अनुसार, मुलायम सिंह यादव ने लोकसभा में भी प्रधानमंत्री मोदी के कामकाज की सराहना की थी और उन्हें आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया था। उन्होंने कहा कि जब एक पिता ने सार्वजनिक रूप से ऐसी बात कही हो, तो पुत्र को उसका सम्मान करना चाहिए। इस दौरान साक्षी महाराज ने अखिलेश यादव द्वारा किए गए चुनावी वादों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने मुफ्त बिजली और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जैसी घोषणाओं को अव्यावहारिक बताते हुए कहा, "न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी।" उनका कहना था कि जनता अब ऐसे वादों को समझने लगी है और इनसे प्रभावित नहीं होती। सांसद ने 'नारी वंदन अधिनियम' के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने दावा किया कि सरकार महिलाओं के आरक्षण को लेकर गंभीर है, लेकिन विपक्ष ने इस पर भी शर्तें रखकर प्रक्रिया को बाधित किया। साक्षी महाराज के मुताबिक, जब विपक्ष ने 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग की, तो अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी ने तत्परता दिखाते हुए इस पर विचार करने की बात कही, लेकिन विपक्ष ने सहयोग नहीं किया। उन्होंने संसद के कामकाज पर चिंता जताते हुए कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में इस तरह का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही उन्होंने लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की असमानता का मुद्दा उठाया। उनके अनुसार, कुछ क्षेत्रों में 40-48 लाख मतदाता हैं, जबकि कहीं बहुत कम संख्या में ही सांसद चुने जाते हैं। सरकार इस असमानता को दूर करने पर भी विचार कर रही है। अपने बयान के अंत में साक्षी महाराज ने देश की सांस्कृतिक पहचान पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विरासत को बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और रामकृष्ण परमहंस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि महान परंपराओं की रही है, जिसे बदला नहीं जा सकता।

उन्नाव माखी कांड में कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव माखी कांड से जुड़े एक अहम मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पीड़िता की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें सेंगर की सजा को बढ़ाकर फांसी देने की मांग की गई थी। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि सजा बढ़ाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं पाए गए। यह मामला पप्पू सिंह प्रकरण से संबंधित है, जिसमें निचली अदालत ने सेंगर को 10 साल की कारावास की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर दी गई सजा उचित और कानून के अनुरूप है, इसलिए उसमें हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। पीड़िता की ओर से दायर अपील में मांग की गई थी कि इस मामले में सजा को और कठोर किया जाए, लेकिन अदालत ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। न्यायालय ने माना कि निचली अदालत का फैसला संतुलित और साक्ष्यों पर आधारित है, इसलिए सजा बढ़ाने का कोई ठोस कारण नहीं बनता। इस फैसले के बाद कुलदीप सिंह सेंगर को राहत मिली है, क्योंकि उनकी मौजूदा सजा यथावत बनी रहेगी। जानकारी के अनुसार, सेंगर इस मामले में करीब 10 साल की सजा काट रहे हैं और उनकी सजा आगामी अगस्त माह में पूरी होने वाली है। ऐसे में अब उन्हें इस प्रकरण में अतिरिक्त सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। गौरतलब है कि उन्नाव माखी कांड देशभर में चर्चित रहा है और इससे जुड़े कई मामलों में लंबी कानूनी प्रक्रिया चली है। इस फैसले को कानूनी विशेषज्ञ साक्ष्यों और विधिक सिद्धांतों के अनुरूप मान रहे हैं।

उन्नाव में गंगा की बदलती धारा और भीषण गर्मी ने किसानों की तोड़ी कमर, रेत में उगाई फसलें बर्बाद

उन्नाव जनपद में भीषण गर्मी और गंगा नदी की धारा में आए बदलाव ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा का जलस्तर बढ़ने और धारा के मुड़ने से नदी किनारे रेत में उगाई जाने वाली सब्जियों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। ककड़ी, खीरा, तरबूज और लौकी जैसी मौसमी फसलें पानी भरने और तेज धूप के दोहरे असर से बर्बाद हो रही हैं। स्थानीय किसान मोहताज, हलीम और नाजिर ने बताया कि गंगा की धारा अचानक बदलने से खेतों में पानी भर गया, जिससे रेत में तैयार फसलें सड़ने लगीं। इसके साथ ही, लगातार पड़ रही तेज धूप ने बची-खुची फसल को भी झुलसा दिया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने इस बार बड़ी मेहनत और लागत से फसल तैयार की थी, लेकिन नदी के बदलते रुख और मौसम की मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। शुक्लागंज के कई किसानों के अनुसार, गंगा किनारे की रेत में उगाई जाने वाली सब्जियां उनकी आजीविका का प्रमुख साधन हैं। वे हर साल इन फसलों से अच्छी आमदनी करते थे, लेकिन इस बार स्थिति विपरीत है। खेतों में खड़ी फसलें या तो पानी में डूब गई हैं या तेज गर्मी से सूखकर खराब हो रही हैं, जिससे किसानों को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि प्राकृतिक आपदा के कारण हुए इस नुकसान की भरपाई के लिए सरकारी सहायता आवश्यक है। उन्होंने भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा और स्थायी समाधान की भी मांग उठाई है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा निर्देश

डीएम अतुल वत्स ने बैठक कर दिए सख्त दिशा-निर्देश

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 परीक्षा 25 से 27 अप्रैल 2026 तक होगी। डीएम अतुल वत्स ने निष्पक्ष परीक्षा के निर्देश दिए। 12 केंद्रों पर 28 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। एसपी चिरंजीवनाथ सिन्हा ने सख्त सुरक्षा, CCTV, फ्रिस्किंग और नकल रोकथाम के आदेश दिए।

21 अप्रैल, 2026 14 उ0प्र0 पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा उत्तर प्रदेश होमगार्डस के पदों पर एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा के अंतर्गत दिनांक 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा व समस्त मजिस्ट्रेट्स, केंद्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित रहें तथा परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता कतई स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, विद्युत व्यवस्था, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था आदि समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की गहन जांच (फ्रिस्किंग) की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की नकल सामग्री या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अंदर न जा सके। महिला परीक्षार्थियों की जांच महिल कर्मियों से ही कराई जाये। शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होने जनपद में आने वाले परीक्षार्थियों की सुगमता हेतु रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड में हेल्प डेस्क की स्थापना करने तथा परीक्षा केन्द्र पर पहुंचने हेतु मैप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को समस्त परीक्षा केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरों तथा टी0वी0 स्क्रीन के उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने दी जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग की जाए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखी जाए, जिससे परीक्षार्थियों को समय से परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्क एवं अनुशासित रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की शुचिता भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी। सभी क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करें।जिला विद्यालय निरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश होमगार्ड के पद पर एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 (शनिवार, रविवार एवं सोमवार) को 06 पालियों (प्रत्येक दिवस दो पाली, प्रथम पाली पूर्वान्ह 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक व द्वितीय पाली अपरान्हः 03ः00 बजे से 5ः00 बजे तक) में आयोजित है। जनपद हाथरस में उक्त परीक्षा हेतु 12 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये हैं जिन पर प्रति पाली 4416 छात्र (कुल छात्र-28490) परीक्षा देंगे। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु निर्धारित 12 परीक्षा केन्द्रों पर 12 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट 05 जोनल मजिस्ट्रेट व 12 केन्द्र व्यवस्थापक, 50 प्रतिशत सहायक केन्द्र व्यवस्थापक, 50 प्रतिशत परीक्षा सहायक एवं 50 प्रतिशत कक्ष निरीक्षक/सहयोगी कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी निर्धारित कर दी गयी है। बैठक के अंत में अपर पुलिस अधीक्षक ने धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही आश्वस्त किया कि आगामी परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शीरूप से संम्पन्न कराया जायेगा।बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप जिलाधिकारी सदर, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, आयोग द्वारा नामित पुलिस आब्जर्वर, वरिष्ठ कोषाधिकारी, समस्त मजिस्ट्रेट्स, केंद्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी के नहिया गांव में भगवा-नीले झंडे विवाद से भड़का हिंसक बवाल

वाराणसी के नेहिया गांव में भगवा और नीले झंडे लगाने के विवाद में जमकर बवाल हुआ। शुक्रवार को बवाल ने हिंसक रुप ले लिया। पत्थरबाजी में ACP विदुष सक्सेना, इंस्पेक्टर, दरोगा समेत 7 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने लाठी पटककर उपद्रवियों को खदेड़ा। गोसाईंपुर चौकी इंचार्ज विपिन पांडेय की तहरीर पर 11 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। अब आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। शनिवार सुबह भी पीएसी के साथ 5 थानों की पुलिस फोर्स तैनात है। नहिया की दलित बस्तियों में बूटों की धमक गूंज रही है। गांव में सन्नाटा पसरा है। गिरफ्तारी के डर से नहिया गांव में दलित बस्ती के ज्यादातर युवक घर छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस ने गांव के गेट पर सीसीटीवी लगवा दिया है। जबकि 6 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वाराणसी मुख्यालय से 30k m दूर बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर नहिया गांव में प्रवेश करने के लिए गेट बनाया गया है। प्रवेश द्वार पर 'बाबा बटुक भैरव धाम' लिखा हुआ है। वहीं गांव में हाईवे से करीब आधा किलोमीटर दूरी पर संत रविदास मंदिर है। जबकि हाईवे से करीब करीब 800 मीटर दूरी पर बाबा बटुक भैरव का मंदिर है। हिंदू संगठनों का दावा है कि गांव के प्रवेश गेट पर जब से निर्माण हुआ है तब से रामनवमी पर भगवा झंडा लगाया जाता रहा है। इस साल भी झंडा लगा था लेकिन 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के जुलूस के दौरान किसी ने उसे हटाकर वहां डॉ. भीमराव अंबेडकर का झंडा लगा दिया। आरोप है कि 15 अप्रैल को इसकी सूचना मिलने के बाद शाम या रात के समय हिंदू धर्म संगठन के लोगों ने उस झंडे को तोड़कर हटा दिया। अगले दिन यानी 16 अप्रैल को इस मामले की जानकारी मिलने के बाद काफी संख्या में दलित समुदाय के लोग पहुंच गए। उसके बाद लोग नारेबाजी करने लगे। दलित समुदाय के लोगों ने कहा- जब गेट पर एक विशेष झंडा लग सकता है, तो संत रविदास और बाबा साहेब का झंडा क्यों नहीं? वहीं दूसरा पक्ष इसे मंदिर का प्रवेश द्वार बताकर अपनी पुरानी परंपरा पर अड़ा रहा। इसी बात को लेकर तनाव हुआ और गुरुवार यानी 16 अप्रैल को डेढ़ घंटे हाईवे जाम रहा।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर आदेश पर फिलहाल रोक, अगली सुनवाई 20 अप्रैल को

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कथित दोहरी नागरिकता मामले में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने संबंधी अपने पूर्व आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। यह आदेश शनिवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर जारी विस्तृत निर्णय में सामने आया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता सहित केंद्र और राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से यह पूछा गया था कि क्या इस मामले में विपक्षी संख्या एक यानी राहुल गांधी को नोटिस जारी किया जाना आवश्यक है। इस पर दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है, जिसके बाद ओपन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का आदेश मौखिक रूप से पारित कर दिया गया था। हालांकि, आदेश टाइप होने और उस पर हस्ताक्षर होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने एक महत्वपूर्ण विधिक बिंदु पर पुनर्विचार किया। उन्होंने पाया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 के एक फैसले में यह स्पष्ट किया था कि एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिकाओं के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही स्वीकार्य होती है और ऐसे मामलों में प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस जारी करना अनिवार्य है। इसी विधिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए न्यायालय ने कहा कि बिना संबंधित पक्ष को नोटिस दिए मामले का निपटारा करना उचित नहीं होगा। इसी आधार पर पूर्व में दिए गए एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर रोक लगा दी गई और मामले की अगली सुनवाई की तारीख 20 अप्रैल 2026 तय की गई हैयह मामला कर्नाटक निवासी याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर याचिका से संबंधित है, जिसमें राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता रखने का आरोप लगाया गया है। याचिका में उन पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम तथा पासपोर्ट अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं और विस्तृत जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि मामले की प्रारंभिक सुनवाई रायबरेली के विशेष न्यायालय में हुई थी, जहां से इसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद 17 दिसंबर 2025 को उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने मामले को रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित किया था।

मढाका में बंद घर से 5 लाख नगदी जेवर चोरी परिवार शादी में गया था चोरों ने छत के रास्ते वारदात को दिया अंजाम

सोमवार की रात की समय हाथरस के ब्लॉक सहपऊ के गांव मिढ़ापिथू निवासी मनोज कुमार कि सोमवार रात सादाबाद के एक गेस्ट हाउस में बहन की शादी थी। उसके परिवार के साथ-साथ नाथ रिश्तेदार एवं पड़ोसी भी शादी में गए हुए थे। इस दौरान रात को चोरों ने मनोज के साथ उसके ताऊ का पूरा घर खंगाल लिया और घर में अलमारी में रखें ₹500000 नगद, पांच अंगूठी एवं गले के हर तथा पेज चुरा कर ले गए इसके साथ ही पीड़ित के ताऊ के घर भी चोरों ने हाथ साफ कर लिए वहां से करी ₹20000 नगर और सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गए हैं। चोरों ने घर में कोई व्यक्ति न होने का पूरा फायदा उठाया और बड़ी आराम से चोरी करके निकल गए। पूरा परिवार जब शादी से वापस लौट के आया तो घर आते ही उनके होश उड़ गए महिलाएं रोने लगी सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी जाकर जानकारी जुटाई है। पीड़ित ने कोतवाली में लिखित शिकायत दी है पुलिस जांच में जुट गई है